अनुक्रमांक/नामांकन : प्रश्न-पत्र कोड : MMS-013

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

चतुर्थ-सत्र (2014-15) प्रश्न-पत्र 1

विशेषज्ञता विषय (विपणन)

अंतरराष्ट्रीय विपणन

समयावधि : **03** घंटे पूर्णांक : **70**

निर्देश : 1. **अंतिम** प्रश्न अनिवार्य है।

2. शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : अंतरराष्ट्रीय विपणन को प्रभावित करने वाले विभिन्न घटकों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 02 : बाजार विभक्तिकरण क्या है? यह कैसे किया जाता है?

प्रश्न 03 : प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष निर्यात की प्रक्रिया समझाइए।

प्रश्न 04 : लेबिल से आप क्या समझते हैं? इसके विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 05 : विज्ञापन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 06 : आयात निर्यात बैंक क्या है? इसके कार्य बताइए।

प्रश्न 07 : वैश्वीकरण की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए वैश्वीकरण की नीति के लाभ लिखिए।

प्रश्न 08 : निर्यात व्यापार में काम आने वाले प्रलेख लिखिए।

प्रश्न 09 : बाजार चयन प्रक्रिया से आप क्या समझते है? यह किस प्रकार अन्तरराष्ट्रीय विपणन को प्रभावित करता हैं।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) अंतरराष्ट्रीय विपणन का महत्व

(ख) उत्पाद मिश्रण

(ग) व्यापारिक मेले एवं प्रदर्शनियाँ

(घ) विश्व व्यापार संगठन

♦♦♦

अनुक्रमांक/नामांकन : प्रश्न-पत्र कोड : MMS-014

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

चतुर्थ-सत्र (2014-15) प्रश्न-पत्र 2

विशेषज्ञता विषय (विपणन)

विज्ञापन प्रबंध

समयावधि : **03** घंटे पूर्णांक : **70**

निर्देश : 1. **अंतिम** प्रश्न अनिवार्य है।
2. शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : डगमार के उपागम से आप क्या समझते है? डगमार साधनों हेतु चुनौतियां को विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 02 : 'विज्ञापन का समाज पर प्रभाव' विषय पर लेख लिखिए।

प्रश्न 03 : विज्ञापन कार्यक्रमों का निर्माण किस प्रकार किया जाता है?

प्रश्न 04 : विज्ञापन बजटिंग से आप क्या समझते हैं?

प्रश्न 05 : विज्ञापन की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने की कौन-कौन सी विधियाँ हैं?

प्रश्न 06 : इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में आने वाले मुख्य यंत्रों की विस्तार से व्याख्या कीजिए।

प्रश्न 07 : उपभोक्ता व्यवहार से आप क्या समझते है? इसको प्रभावित करने वाले अवयवों का वर्णन करें।

प्रश्न 08 : विभिन्न प्रकार के विक्रय संवर्धन उपायों का वर्णन करें।

प्रश्न 09 : तुलनात्मक विज्ञापन प्रयोग करने की हानियों एवं लाभों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) विज्ञापन में संप्रेषण प्रक्रिया की भूमिका

(ख) विज्ञापन विषयक सामग्री

(ग) उपभोक्ता डायरी

(घ) विज्ञापन अभियान

♦♦♦

अनुक्रमांक/नामांकन : प्रश्न-पत्र कोड : MMS-015

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

चतुर्थ-सत्र (2014-15) प्रश्न-पत्र 3

विशेषज्ञता विषय (विपणन)

उपभोक्ता व्यवहार

समयावधि : **03** घंटे पूर्णांक : **70**

निर्देश : 1. **अंतिम** प्रश्न अनिवार्य है।
2. शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : उपभोक्ता व्यवहार की अवधारणा एवं महत्त्व समझाइए।

प्रश्न 02 : उपभोक्ता व्यवहार में अभिप्रेरण की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 03 : ''उपभोक्ता व्यवहार'' पर ''संस्कृति एवं सामाजिक वर्ग'' के होने वाले परिणाम बताइए।

प्रश्न 04 : उपभोक्ता निर्णय प्रक्रिया के विभिन्न सोपान बताइए।

प्रश्न 05 : बाजार विभक्तिकरण से आपका क्या आशय है? बाजार विभक्तिकरण के घटक बताइए।

प्रश्न 06 : उपभोक्ता मनोवृत्ति का विपणन पर पड़ने वाले प्रभाव को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 07 : उपभोक्ता के क्रय व्यवहार को 'परिवार' किस प्रकार प्रभावित करता है, विस्तारपूर्वक लिखिए।

प्रश्न 08 : क्रय पश्चात व्यवहार का विपणन में महत्त्व स्पष्ट करें।

प्रश्न 09 : नव प्रवर्तन विपणन की अवधारणा एवं इसके स्रोत स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
(क) उपभोक्ता व्यवहार की सीमाएं
(ख) उपभोक्ता मनोवृत्ति का महत्त्व
(ग) संदर्भ समूह का उपभोक्ता व्यवहार पर परिणाम
(घ) संगठनात्मक क्रेता व्यवहार

♦♦♦

अनुक्रमांक/नामांकन : प्रश्न-पत्र कोड : MMS-016

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

चतुर्थ-सत्र (2014-15) प्रश्न-पत्र 4

विशेषज्ञता विषय (विपणन)

ब्रांड प्रबंध

समयावधि : **03** घंटे पूर्णांक : **70**

निर्देश : 1. **अंतिम** प्रश्न अनिवार्य है।
2. शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : ब्रांड की अवधारणा स्पष्ट कीजिए। ब्रांड छवि कैसे निर्माण की जाती है?

प्रश्न 02 : ब्रांड समता की अवधारणा स्पष्ट करें। ब्रांड समता के लाभ बताइए।

प्रश्न 03 : विपणन कार्यक्रम की अभिकल्पना से आपका आशय विस्तारपूर्वक स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 04 : ब्रांड सृजन से आप क्या समझते है? ब्रांड सृजन की प्रक्रिया बतलाइए।

प्रश्न 05 : ब्रांड समता मापन की तुलनात्मक एवं होलिस्टिक विधियाँ लिखिए।

प्रश्न 06 : ब्रांड समता मापन के स्रोत बताइए।

प्रश्न 07 : ब्रांड विस्तार क्या है? यह कैसे किया जाता है?

प्रश्न 08 : ब्रांड पोर्ट फोलियो प्रबंधन की अवधारणा स्पष्ट करें।

प्रश्न 09 : ब्रांड सोपान श्रृंखला की प्रणाली स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) ब्रांड पहचान
(ख) एकीकृत विपणन कार्यक्रम
(ग) ब्रांड अंकेक्षण
(घ) ब्रांड एवं भूमण्डलीकरण

♦♦♦

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

चतुर्थ-सत्र (2014-15) प्रश्न-पत्र 1

विशेषज्ञता विषय (मानव संसाधन)

औद्योगिक संबंध प्रबंध

समयावधि : **03** घंटे पूर्णांक : **70**

निर्देश : 1. **अंतिम** प्रश्न अनिवार्य है। 2. शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : विभिन्न विद्वानों द्वारा 'औद्योगिक संबंध' की दी गई परिभाषाओं को विस्तार से लिखिए। औद्योगिक संबंध का महत्त्व स्पष्ट करें।

प्रश्न 02 : सामूहिक सौदेबाजी के उद्देश्य विस्तार से लिखिए। सामूहिक सौदेबाजी की सफलता के लिए किन-किन दशाओं का विद्यमान होना आवश्यक है? विस्तार से लिखिए।

प्रश्न 03 : औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 की प्रमुख विशेषताएँ बताते हुए अधिनियम का उद्देश्य स्पष्ट करें। अधिनियम के अधीन नियुक्त प्राधिकारियों के कर्तव्य एवं शक्तियों पर प्रकाश डालें।

प्रश्न 04 : श्रमसंघ के पंजीकरण की प्रक्रिया विस्तार से स्पष्ट करें। ''श्रम संघ अधिनियम 1926 की कमियाँ'' पर विस्तार से प्रकाश डालें।

प्रश्न 05 : भारत में सामाजिक सुरक्षा संबंधी कितने अधिनियम पारित किए गए हैं अधिनियमों की सूची लिखें। प्रस्तुति लाभ अधिनियम, 1961 के विभिन्न प्रावधानों को विस्तार से स्पष्ट करें।

प्रश्न 06 : ''औद्योगिक विवाद'' को अधिनियम'1947 की धारा के अनुसार परिभाषित कीजिए। औद्योगिक विवाद के विभिन्न कारणों को विस्तार से लिखिए।

प्रश्न 07 : हड़ताल और तालाबंदी का आशय स्पष्ट करें। अधिनियम के अंतर्गत हड़ताल और तालाबंदी पर कितने प्रकार के रोक निबंध लगाये गए हैं, विस्तार से स्पष्ट करें।

प्रश्न 08 : श्रम कल्याण कार्यों की आवश्यकता किन-किन कारणों से प्रतीत होती है? विस्तार से लिखिए। श्रम-कल्याण कार्यों के प्रकार पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

प्रश्न 09 : ''प्रबंध में कर्मचारियों की सहभागिता'' के कितने स्तर हो सकते है? विस्तार से लिखिए। भारत में श्रमिकों की प्रबंध में सहभागिता की धीमी प्रगति के कारणों का विस्तार से स्पष्ट करें।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) राष्ट्रीय अधिकरण (औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947)

(ख) परिवेदना निवारण पद्धति

(ग) श्रम आंदोलन

(घ) सामूहिक सौदेबाजी के गुण

♦♦♦

अनुक्रमांक/नामांकन : प्रश्न-पत्र कोड : MMS-018

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

चतुर्थ-सत्र (2014-15) प्रश्न-पत्र 2
विशेषज्ञता विषय (मानव संसाधन)
मानव संसाधन प्रबंध और विकास

समयावधि : **03** घंटे पूर्णांक : **70**

निर्देश : 1. **अंतिम** प्रश्न अनिवार्य है।
2. शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : निष्पादन मूल्यांकन की अवधारणा स्पष्ट करें। निष्पादन मूल्यांकन के उद्देश्य एवं उपयोग विस्तार से लिखिए।

प्रश्न 02 : प्रभावी प्रशिक्षण कार्यक्रम को अनियंत्रित करने वाले सभी कारकों को विस्तार से स्पष्ट करें।

प्रश्न 03 : अधिशासी विकास का अर्थ एवं अवधारणा स्पष्ट करें। अधिशासी विकास की आवश्यकता के विभिन्न कारणों पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

प्रश्न 04 : किस्म चक्र की अवधारणा एवं उद्देश्य को विस्तार से स्पष्ट करें। किस्म चक्र के संगठनात्मक ढाँचे के विभिन्न स्तरों पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

प्रश्न 05 : संगठन का अर्थ स्पष्ट करने हेतु विभिन्न विद्वानों की परिभाषाएँ लिखें। संगठन के परम्परागत एवं आधुनिक सिद्धांतों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 06 : निष्पादन मूल्यांकन के सिद्धांतों को विस्तार से लिखिए। अंतरराष्ट्रीय श्रम संघ के अनसुार निष्पादन मूल्यांकन के अपेक्षित लाभ-दोषों का विस्तार से वर्णन करें।

प्रश्न 07 : प्रशिक्षण कार्यक्रम को तैयार करने के लिए किन-किन विषयों के बारे में सोचना आवश्यक होता हैं? विस्तार से वर्णन करें।

प्रश्न 08 : ''मानव शक्ति नियोजन'' की परिभाषा लिखिए। मानव शक्ति नियोजन के प्राथमिक चरण एवं उत्तरवर्त्ती चरणों को विस्तार से स्पष्ट करें।

प्रश्न 09 : मानव संसाधन विकास का कार्यक्षेत्र किन-किन क्षेत्रों में निर्धारित किए जाते हैं? उक्त क्षेत्रों में मानव संसाधन विकास कार्य का रूप विस्तार से वर्णन करें।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
(क) कार्य जीवन किस्म (Quality of work life)
(ख) भारत में प्रशिक्षण कार्यक्रम का विकास
(ग) उद्देश्यों द्वारा प्रबंध की सीमाएँ
(घ) मानव संसाधन विकास में चुनौतियाँ

♦♦♦

अनुक्रमांक/नामांकन : प्रश्न-पत्र कोड : MMS-019

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

चतुर्थ-सत्र (2014-15) प्रश्न-पत्र 3

विशेषज्ञता विषय (मानव संसाधन)

संगठनात्मक परिवर्तन और विकास

समयावधि : **03** घंटे पूर्णांक : **70**

निर्देश : 1. **अंतिम** प्रश्न अनिवार्य है।
2. शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : संगठनात्मक परिवर्तन को दूर करने के उपाय बताइए।

प्रश्न 02 : योजनाबद्ध संगठनात्मक परिवर्तन की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 03 : संगठनात्मक परिवर्तन के संदर्भ में कर्ट लेविन मॉडल की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न 04 : संगठनात्मक संस्कृति के कार्यों की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 05 : संगठन विकास की प्रमुख दस विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 06 : संगठन विकास के लक्ष्य क्या है? संगठन विकास के लाभ एवं परिसीमाओं का वर्णन करें।

प्रश्न 07 : संगठन विकास हस्तक्षेप से आप क्या समझते हैं? उसके वर्गीकरण पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न 08 : उद्देश्यों द्वारा प्रबंध से आप क्या समझते हैं? इस प्रबंध प्रक्रिया के आवश्यक कदमों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 09 : संगठन विकास हस्तक्षेप रणनीतियों की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
(क) संगठनात्मक परिवर्तन का महत्त्व
(ख) परिवर्तन एजेंट
(ग) अन्तर समूह विकास
(घ) संवेदिना प्रशिक्षण

♦♦♦

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

चतुर्थ-सत्र (2014-15) प्रश्न-पत्र 4

विशेषज्ञता विषय (मानव संसाधन)

औद्योगिक सन्नियम

समयावधि : **03** घंटे पूर्णांक : **70**

निर्देश : 1. **अंतिम** प्रश्न अनिवार्य है।

2. शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : ''भारत में श्रम सन्नियम का विकास'' का वर्णन विस्तार से करें।

प्रश्न 02 : कारखाना अधिनियम 1948 के अंतर्गत स्वास्थ्य संबंधी प्रावधानों का विस्तार से वर्णन करें।

प्रश्न 03 : मजदूरी भुगतान अधिनियम 1936 का परिचय देते हुए इसके उद्देश्यों का समझाइए।

प्रश्न 04 : मुआवजा अधिनियम को और प्रभावी बनाने के उपायों को सूचिबद्ध करिए।

प्रश्न 05 : कर्मचारी राज्य बीमा के इतिहास का संक्षिप्त वर्णन करें।

प्रश्न 06 : कर्मचारी राज्य बीमा की स्थायी समिति तथा प्रधान अधिकारियों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 07 : प्रशिक्षु अधिनियम 1961 के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए नियोक्ता के दायित्वों को विवेचित कीजिए।

प्रश्न 08 : मातृत्व लाभ अधिनियम में वर्णित निरीक्षक के अधिकारों एवं कर्त्तव्यों को समझाइए।

प्रश्न 09 : औद्योगिक नियम किस प्रकार से श्रमिकों के कल्याणार्थ अपनी भूमिका निभा रहे हैं? समझाइए।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) सुरक्षा संबंधी प्रावधान

(ख) क्षति पूर्ति

(ग) उपदान का भुगतान

(घ) कर्मचारी डिपाजिट लिन्कड बीमा योजना

♦♦♦

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

चतुर्थ-सत्र (2014-15) प्रश्न-पत्र 1

विशेषज्ञता विषय (वित्त)

अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रबंध

समयावधि : **03** घंटे पूर्णांक : **70**

निर्देश : 1. **अंतिम** प्रश्न अनिवार्य है।
2. शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : विनिमय दर की जोखिम का मापन एवं प्रबंधन कैसे किया जा सकता है?

प्रश्न 02 : भुगतान शेष की अवधारणा को परिभाषित कीजिए।

प्रश्न 03 : विदेशी विनिमय बाजार क्या है? तुरंत एवं अग्रिम बाजार के मध्य अंतर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 04 : विदेशी प्रत्यक्ष विनियोग हेतु सम्भाव्य राजनैतिक जोखिम का मापन एवं प्रबंधन आप कैसे करेंगे?

प्रश्न 05 : बहुराष्ट्रीय कंपनियों में पूँजी ढाँचे का निर्माण कैसे होता है?

प्रश्न 06 : पूँजी बजटिंग से आप क्या समझते है? इसकी प्रमुख विधियों को संक्षेप में समझाइए।

प्रश्न 07 : अंतरराष्ट्रीय ब्रांड बाजार के महत्त्व का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 08 : प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बैंकों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

प्रश्न 09 : भुगतान शेष का महत्त्व एवं भुगतान शेष में असंतुलन बताइए।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
(क) विनिमय दर के सिद्धांत
(ख) अंतरराष्ट्रीय पूँजी बजटिंग
(ग) कार्यशील पूँजी के दीर्घकालीन स्रोत
(घ) यूरो बैंकिंग

♦♦♦

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

चतुर्थ-सत्र (2014-15) प्रश्न-पत्र 2

विशेषज्ञता विषय (वित्त)

वित्तीय सेवाओं का प्रबंध

समयावधि : **03** घंटे पूर्णांक : **70**

निर्देश : 1. **अंतिम** प्रश्न अनिवार्य है।
2. शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : भारत में मूल सेवा व्यापार क्या है? अर्थव्यवस्था की वृद्धि में यह कैसे योगदान करता है?

प्रश्न 02 : वित्तीय सेवा से आप क्या समझते है? वित्तीय सेवा के महत्त्व का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 03 : भारतीय पूंजी बाजार में म्यूचुअल फंड के योगदान का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 04 : मर्चेंट बैंकिंग सामान्य बैंकिंग से किस प्रकार भिन्न है?

प्रश्न 05 : साख रेटिंग की प्रक्रिया तथा पद्धतियों को सविस्तार स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 06 : बिल कटौती की अवधारणा एवं लाभ का परीक्षण कीजिए। किस प्रकार बिल कटौती आढ़तीयन से भिन्न है?

प्रश्न 07 : बैंकिंग को परिभाषित करते हुए इसकी प्रमुख सेवाओं का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 08 : वित्तीय सेवाओं में ग्राहकों को बनाए रखने के उपायों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 09 : विपणन मिश्रण को प्रभावित करने वाले घटकों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
(क) वित्तीय सेवा क्षेत्र
(ख) अंश निर्गमन का प्रबंधन
(ग) गृह वित्त
(घ) ग्राहक संतुष्टि का मापन

♦♦♦

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

चतुर्थ-सत्र (2014-15) प्रश्न-पत्र 3

विशेषज्ञता विषय (वित्त)

कार्यशील पूंजी प्रबंध

समयावधि : **03** घंटे पूर्णांक : **70**

निर्देश : 1. **अंतिम** प्रश्न अनिवार्य है।
2. शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : कार्यशील पूँजी का अर्थ एवं कार्यशील पूँजी के प्रकार स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 02 : कार्यशील पूँजी प्रबंध की अवधारणा एवं महत्त्व बताइए।

प्रश्न 03 : नकद रखने की प्रेरणाएँ विस्तार से बताइए।

प्रश्न 04 : भारत में मुद्रा बाजार का स्वरूप स्पष्ट कीजिए

प्रश्न 05 : साख क्या है तथा साख की विभिन्न शर्तें बताइए।

प्रश्न 06 : प्राप्य प्रबंध की अवधारणा स्पष्ट कीजिए तथा उचित प्राप्यों का निर्धारण किस प्रकार किया जाता है?

प्रश्न 07 : क्रमिक निर्णय विश्लेषण को विस्तार से बताइए।

प्रश्न 08 : इन्वेन्ट्री नियंत्रण से आपका आशय क्या है तथा इसके उद्देश्यों की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 09 : इन्वेन्ट्री प्रबंध में वित्तीय प्रबंधक की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
(क) एकीकृत कार्यशील पूँजी
(ख) नकद प्रवाह का प्रबंधन
(ग) साख प्रमाप
(घ) बजटिंग

♦♦♦

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

चतुर्थ-सत्र (2014-15) प्रश्न-पत्र 4

विशेषज्ञता विषय (वित्त)

प्रत्याभूति विश्लेषण एवं पोर्टफोलियो प्रबंध

समयावधि : **03** घंटे पूर्णांक : **70**

निर्देश : 1. **अंतिम** प्रश्न अनिवार्य है।
2. शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : सरकारी प्रतिभूतियों से क्या अभिप्राय है ? इसके क्या लाभ हैं?

प्रश्न 02 : भारत में प्रमुख क्रेडिट रेटिंग संस्थाओं पर एक संक्षित नोट लिखिए।

प्रश्न 03 : नवीन बाजार का अर्थ एवं कार्य बताइए।

प्रश्न 04 : सेबी की भूमिका का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 05 : पोर्टफोलियो निर्माण की विधियाँ सविस्तार बताइए।

प्रश्न 06 : पोर्टफोलियो का अर्थ, उद्देश्य एवं महत्व स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 07 : पूंजी बाजार सिद्धांत को परिभाषित कीजिए।

प्रश्न 08 : निवेश पर कुल जोखिम एवं बाजार जोखिम में अंतर बताइए।

प्रश्न 09 : म्युच्युअल फंड का अर्थ, महत्व और फायदे बताइए।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) अंश-मूल्य निर्देशांक

(ख) प्राथमिक एवं द्वितीय बाजार

(ग) बाजार जोखिम

(घ) जानसन विधि

♦♦♦

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

चतुर्थ-सत्र (2014-15) प्रश्न-पत्र 1

विशेषज्ञता विषय (बैंकिंग एवं बीमा)

बैंकिंग के मूलतत्व एवं प्रणालियाँ

समयावधि : **03** घंटे पूर्णांक : **70**

निर्देश : 1. **अंतिम** प्रश्न अनिवार्य है।
2. शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : बैंकों का वर्गीकरण स्पष्ट कीजिए एवं बैंकों के कार्यों को विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 02 : बैंकर के अधिकार व कर्तव्य विस्तारपूर्वक स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 03 : बैंक फण्ड के विनियोग के सिद्धांत संक्षिप्तमें लिखिए।

प्रश्न 04 : ई-बैंकिंग का आशय स्पष्ट करते हुए ई-बैंकिंग के लाभ तथा सीमाएँ विस्तार पूर्वक समझाइए।

प्रश्न 05 : भारतीय रिजर्व बैंक की अवधारणा स्पष्ट कीजिए एवं इसके कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

प्रश्न 06 : ग्रामीण बैंक एवं सहकारी बैंक की विभिन्न विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 07 : बैंकिंग अधिनियम, 1949 के विभिन्न प्रावधानों को संक्षिप्त में स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 08 : बैंक के आर्थिक एवं सामाजिक कार्यों को विस्तार पूर्वक समझाइए।

प्रश्न 09 : अग्रिमों पर नियंत्रण से आपका क्या आशय है? इसके विभिन्न प्रावधानों को संक्षिप्त में लिखिए।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
(क) बैंकिंग परिचालन शोधन गृह
(ख) बैंक सेवा प्रबंध
(ग) वाणिज्य बैंक संगठन
(घ) फण्ड तरलता

♦♦♦

अनुक्रमांक/नामांकन : प्रश्न-पत्र कोड : MMS-026

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

चतुर्थ-सत्र (2014-15) प्रश्न-पत्र 2

विशेषज्ञता विषय (बैंकिंग एवं बीमा)

बीमा के सिद्धांत एवं व्यवहार

समयावधि : **03** घंटे पूर्णांक : **70**

निर्देश : 1. **अंतिम** प्रश्न अनिवार्य है।

2. शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : बीमा के अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 02 : बीमा व बाजी के ठहराव का अर्थ स्पष्ट कीजिए एवं इनके अंतर को विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 03 : बीमा करवाने की प्रक्रिया को विस्तार-पूर्वक लिखिए।

प्रश्न 04 : दोहरा बीमा एवं पुनर्बीमा का अर्थ विस्तार-पूर्वक स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 05 : सामाजिक बीमा एवं ग्रामीण बीमा की कार्य प्रणाली को समझाइए।

प्रश्न 06 : जीवन बीमा की संकल्पना को स्पष्ट करते हुए जीवन बीमा-पत्रों की शर्तों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 07 : जीवन बीमा के संदर्भ में प्रीमियम का निर्धारण एवं दावों के निपटारा की प्रक्रिया को स्पष्ट समझाइए।

प्रश्न 08 : अग्नि बीमा का अर्थ, प्रकृति एवं बीमा करवाने की विधि को समझाइए।

प्रश्न 09 : सामुद्रिक बीमा पत्रों के प्रकार एवं दावों के निपटारा की प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) बीमा जोखिम

(ख) अभिगोपन

(ग) सामूहिक बीमा

(घ) सामान्य बीमा

♦♦♦

अनुक्रमांक/नामांकन : प्रश्न-पत्र कोड : MMS-027

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

चतुर्थ-सत्र (2014-15) प्रश्न-पत्र 3

विशेषज्ञता विषय (बैंकिंग एवं बीमा)

बीमा एवं जोखिम प्रबंध

समयावधि : **03** घंटे पूर्णांक : **70**

निर्देश : 1. **अंतिम** प्रश्न अनिवार्य है।
2. शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : जोखिम की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए जोखिम के प्रकार विस्तार-पूर्वक समझाइए।

प्रश्न 02 : शुद्ध जोखिम का अर्थ एवं शुद्ध जोखिम का आंकलन की संकल्पना (Concept) को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 03 : जोखिम प्रबंध सूचना पद्धति को विस्तार-पूर्वक समझाइए।

प्रश्न 04 : जोखिम का परंपरागत एवं जोखिम का आधुनिक सिद्धांत की अवधारणाओं को संक्षेप में लिखिए।

प्रश्न 05 : जोखिम नियंत्रण एवं उसके प्रयोग को विस्तार-पूर्वक स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 06 : जोखिम हस्तांतरण की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए जोखिम को कम करते हेतु अपनाए जाने वाली विभिन्न उपायों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 07 : व्यक्तियों द्वारा बीमा की माँग को प्रभावित करने वाले विभिन्न तत्वों को संक्षिप्त में लिखिए।

प्रश्न 08 : निगमीय जोखिम एवं वित्तीय जोखिम का अर्थ एवं विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 09 : समाज को बीमा से मिलने वाले लाभों को विस्तार-पूर्वक समझाइए।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
(क) बीमा की भूमिका
(ख) जोखिम का सामूहिक सिद्धांत
(ग) जोखिम प्रबंध एवं डेराइविटिज
(घ) बीमा लागत

♦♦♦

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

चतुर्थ-सत्र (2014-15) प्रश्न-पत्र 4

विशेषज्ञता विषय (बैंकिंग एवं बीमा)

बीमा कंपनियों का प्रबंध

समयावधि : **03** घंटे पूर्णांक : **70**

निर्देश : 1. **अंतिम** प्रश्न अनिवार्य है।

2. शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : बीमा कम्पनियों का संगठन ढांचा संक्षिप्त में समझाइए।

प्रश्न 02 : बीमा कम्पनियों के वित्तीय प्रबंध अवधारणा को स्पष्ट करते हुए उद्देश्य एवं नियोजन लिखिए।

प्रश्न 03 : बीमा उत्पाद अभिकल्पना का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसको प्रभावित करने वाले तत्वों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 04 : बीमा अभिगोपन का अर्थ, आधार एवं उद्देश्य को विस्तार पूर्वक समझाइए।

प्रश्न 05 : जीवन एवं गैरजीवन बीमा में मूल्य निर्धारण की प्रक्रिया को विस्तार पूर्वक समझाइए।

प्रश्न 06 : 'बीमा उत्पादों का विपणन' इस संकल्पना (Concept) को स्पष्ट करते हुए इसके विभिन्न वितरण माध्यमों को संक्षिप्त में लिखिए।

प्रश्न 07 : बीमा मध्यस्थ का अर्थ एवं उसके कार्यों को विस्तार पूर्वक लिखिए।

प्रश्न 08 : निगमीय एजेंट बीमा में सूचना तकनीक की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए एवं उसके महत्व को समझाइए।

प्रश्न 09 : विपणन मिश्र 7 पी को विस्तार पूर्वक स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) विनियोग प्रवृतियाँ

(ख) बीमा उत्पाद विकास प्रक्रिया

(ग) बीमा विपणन नीतियाँ

(घ) ई-बीमा

♦♦♦